''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

चूँकि आपदा के समय समुदाय ही प्रथम रिस्पॉण्डर होता है अतः पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से पंचायत स्तर तक जन समुदाय को बहु–आपदा के जोखिम न्यूनीकरण के संबंध में जानकारी एवं आपदाओं का सामना करने हेतु उनका क्षमतावर्द्धन उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक प्रखंड से चयनित 1–1 मुखिया एवं सरपंच को ''मास्टर ट्रेनर'' के रुप में प्राधिकरण द्वारा राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किया गया। तत्पश्चात् इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से सभी प्रखण्डों के मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंच एवं पंचायत समिति तथा जिला परिषद के सदस्यों का प्रशिक्षण जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों/जिला प्रशासन द्वारा कराया गया। पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय एवं तृतीय चरण में सभी प्रखंडों के प्रखंड

प्रमुख एवं सभी जिलों के जिला परिषद अध्यक्षों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया।

कुल प्रशिक्षित मुखिया एवं सरपंच (मास्टर ट्रेनर्स) :– 996

कुल प्रशिक्षित प्रखंड प्रमुख एवं जिला परिषद अध्यक्षः– 380

प्रखण्ड स्तर पर कुल प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधिः – 181785

पंचायत संसाधन केन्द्र (DPRC) के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम

बिहार राज्य के बहु–आपदा के संबंध में नव–निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत संसाधन केन्द्र के सभी पदाधिकारियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय राज्यस्तरीय 'मास्टर ट्रेनर्स' का प्रशिक्षण आयोजन कर 225 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया। इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से पंचायतीराज विभाग के द्वारा आयोजित जिलास्तरीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से नव–निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" पर प्रशिक्षण देकर जागरूक किया गया।

''आपात स्थिति में पशु प्रबंधन'' विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों एवं पशुधन सहायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते है और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशुधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि की आपदाओं को घटित होने से रोका तो नहीं जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशु चिकित्सकों एवं पशुधन सहायकों का कौशल विकास कर तथा आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है। इस संबंध में पशु

एवं मत्स्य संसाधन विभाग के 1201 पशु चिकित्सकों एवं 355 पशुधन सहायकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कर प्रशिक्षित किया गया है।

जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित किए जाने हेतु तीन दिवसीय राज्य स्तरीय "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम

जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित किए जाने का लक्ष्य है। इन दीदियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय राज्यस्तरीय "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया गया। इस प्रशिक्षण में क्षेत्रीय समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक, जीविकोपार्जन विशेषज्ञ, युवा पेशेवर, प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक एवं प्रबंधक–सामाजिक विकास को "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण देकर 700 "मास्टर ट्रेनर्स" प्रशिक्षित किया गया। इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से तीन लाख से अधिक जीविका दीदियों को प्रशिक्षण देकर जागरूक किया गया है।

शहरी स्थानीय निकायों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

'आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के क्षमता विकास के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ताकि शहरी क्षेत्रों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु शहरी निकायों के प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं नागरिक संवेदित हों। आयोजित राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पंचायत के 300 पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

शिक्षा विभाग के माध्यम से राज्य के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य हैः बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों में आपदाओं के जोखिमों की पहचान एवं उनके कुप्रभावों को कम करने के उपायों की समझ एवं क्षमता विकसित करना, बच्चों का कौशल विकास करना तथा बच्चों के माध्यम से राज्य में आपदाओं से सुरक्षा की संस्कृति विकसित करना। प्राधिकरण द्वारा जिलों द्वारा चयनित मास्टर प्रशिक्षकों, फोकल शिक्षक एवं मदरसा के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके साथ जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के व्याखाताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन कर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

	कुल प्रशिक्षित
राज्य स्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स शिक्षक	**605**
जिला स्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स शिक्षक	**4231**
मदरसा के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण (72 बैच)	**2696**
पटना जिला के निजी विद्यालयों के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण	**937**
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के व्याखाताओं का प्रशिक्षण	**312**